Raj Express (Indore), 29th December 2022, Page – 02

आईआईटी इंदौर ने दीक्षांत समारोह में दिए पदक, 412 में से 170 उपस्थित हुए

राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित सप्तर्षि

इंदौर ■ राज न्यूज नेटवर्क

आईआईटी इंदौर ने सत्र 2020 बैच का सेरेमोनियल दीक्षांत समारोह बुधवार को मनाया। समारोह में कुल 412 डिग्री प्राप्तकर्ताओं में से 170 उपस्थित थे। 2020 बैच में 233 बी.टेक, 58 एमएससी, 57 एम.टेक, 6 एमएस रिसर्च और 58 पीएचडी शामिल हैं। प्रोफेसर अमिताभ घोष, प्लेटिनम जुबली सीनियर साइंटिस्ट, द नेशनल एकेडमी ऑफसाइंसेज, भारत और पूर्व निदेशक, आईआईटी खड़गपुर, मुख्य अतिथि थे। कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग से सप्तर्षि घोष को सभी यूजी स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए भारत के राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

इन्हें किया पुरस्कृत

कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग की अरुशी जैन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की खुशबू आहूजा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अगम गुप्ता, सिविल इंजीनियरिंग के शलय गुप्ता, मेटलर्जी इंजीनियरिंग और मैटेरियल्स साइंस के आशुतोष गुप्ता सभी यूजी स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन करने वाले थे। एमटेक के मनीष बडोले और एम.एस.सी प्रोग्राम की आंचल सक्सेना ने भी सभी पीजी स्टूडेंट्स के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए संस्थान रजत पदक प्राप्त किया। श्रीजा तिवारी ने सभी दो साल के मास्टर्स प्रोग्राम के सभी यूजी स्टूडेंट्स के बीच उच्चतम सीपीआई हासिल करने वाली सर्वश्रेष्ठ महिला छात्रा के लिए 'बूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल' प्राप्त किया। चैतन्य मेहता को पेड़ पर चढ़ने वाले चतुष्कोणीय रोबोट के डिजाइन और विकास के लिए सर्वश्रेष्ठ बी.टेक प्रोजेक्ट से सम्मानित किया गया।

खुद पर और अपनी क्षमताओं पर बनाए रखें विश्वास

इस अवसर पर बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. पाठक और आईआईटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी भी मौजूद थे। प्रो. जोशी ने कहा मुझे पूरा यकीन है कि आपने जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह आपको व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ के बीच खड़ा होने में मदद करेगा। इसलिए खुद पर और अपनी क्षमताओं पर विश्वास बनाए रखें। यह आपको अपना रास्ता आगे बढ़ाने में मदद करेगा। आपको हमेशा अपने ज्ञान की सीमाओं का विस्तार करते रहना चाहिए और इसे मानव जाति की अच्छी सेवा के लिए उपयोग में लाना चाहिए। प्रो. पाठक ने कहा, यह डिजिटल शताब्दी चीजों को काफी हद तक बदलने जा रही है जिससे आप हमेशा यह सीख सकेंगे कि अपने क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने के लिए आपको हमेशा सीखने की जरूरत है। आजीवन सीखना एक आवश्यकता है।

पेशेवर संतुष्टि सच्ची खुशी से है बहुत अलग

प्रोफेसर अमिताभ ने कहा, पेशेवर संतुष्टि सच्ची खुशी से बहुत अलग है। सच्ची खुशी तभी मिलेगी जब आपको लगे कि आप उन लोगों के लिए मूल्यवान और मददगार बन गए हैं जो आपके परिवार या दोस्तों के नहीं हैं। अभी से निर्णय लेने में सावधानी बरतें। न केवल वर्तमान स्थिति को ध्यान में रखना याद रखें बल्कि यह भी समझने की कोशिश करें कि विज्ञान और प्रौद्योगिकी के कौन से क्षेत्र कुछ वर्षों के बाद प्रमुख भूमिका निभाते हैं। यदि आप ठीक से योजना बनाते हैं, तो भविष्य में आप जिस कामकाजी जीवन से गुजर रहे होंगे, वह आपके स्वभाव और क्षमताओं से मेल खाएगा, जिससे आपको न केवल आपके काम में संतुष्टि मिलेगी, बल्कि आपको राष्ट्र के लिए अपनी सर्वश्रेष्ठ संभव सेवा करने और समाज के लिए एक संपत्ति बनाने में भी सक्षम बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा, इंजीनियरिंग और विज्ञान कहीं अधिक अन्योन्याश्रित होने जा रहे हैं। इसलिए जिस तरह से हम उन्हें अब अलग समझते हैं, वह लंबे समय तक नहीं रहेगा। हमारी तकनीक, प्रौद्योगिकी के विभिन्न क्षेत्रों के लिए एक प्रमुख भूमिका निभाएगी, जो अधिक अंतः विषय होगी।